HINDI

(Three hours)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

*This paper comprises of two Sections—**Section A** and **Section B**.*

*Attempt **all** the questions from Section **A**.*

*Attempt any **four** questions from Section **B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions.*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :—

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :— [15]

(i) अपने स्कूल की तरफ से की गई ट्रेकिंग यात्रा का वर्णन कीजिए।

(ii) क्या ईश्वर है ? विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार उदाहरण सहित दीजिए।

(iii) रेलवे-स्टेशन पर बिताई गई एक रात—बताइए कि उस समय आप कहाँ जा रहे थे ? आपके साथ कौन-कौन थे और आपका समय किस प्रकार व्यतीत हुआ ?

(iv) "मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना"—उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

www.examrace.com

(v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए **अथवा** कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए ।

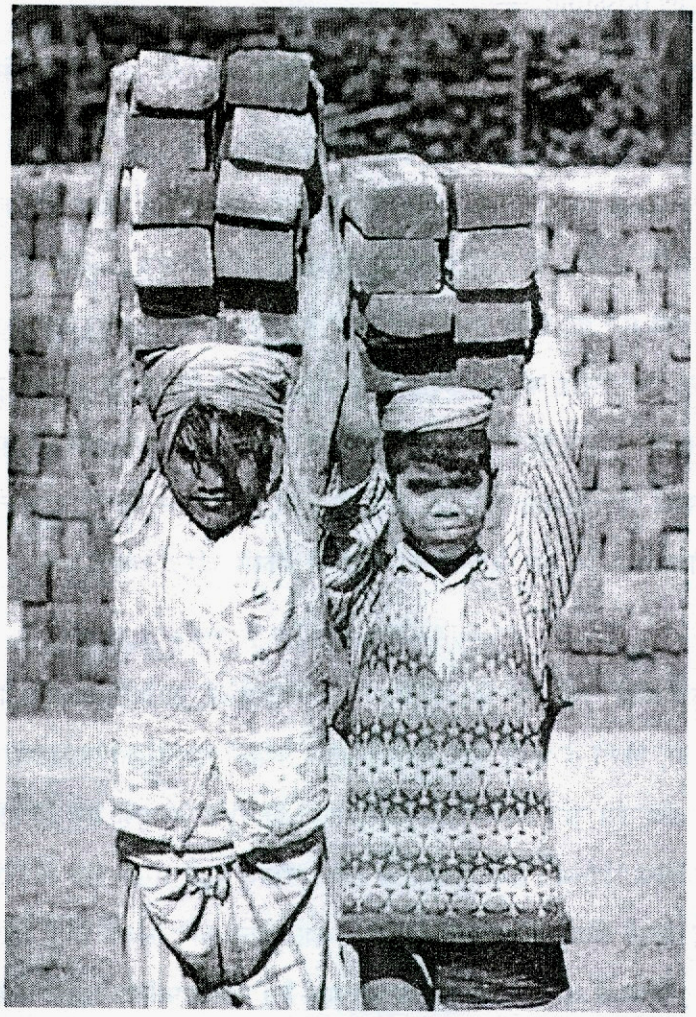

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :—

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :— [7]

(i) रोजगार हेतु किसी स्कूल के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। पत्र में शैक्षणिक योग्यता, अपनी उपलब्धियों एवं अनुभव के बारे में विस्तार से लिखिए।

(ii) आपने अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव में नाटक में भाग लिया। नाटक दर्शकों को बहुत पसन्द आया। अपने मित्र को पत्र लिखकर नाटक की कथावस्तु, उसमें अपने द्वारा साकार किए गए चरित्र के बारे में विस्तार से बताइए।

www.examrace.com

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, in your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

कबीरदासजी ने कहा है कि संत वह व्यक्ति है जो संग्रह नहीं करता, जो दूसरे वक्त की चिन्ता भी नहीं करता, जितना चाहिए उतना ही रखता है, यदि वह कल की चिन्ता करे, यदि वह लोलुप हो तो उसे मोक्ष नहीं मिलता। उसके मन की शांति समाप्त हो जाती है। निम्नलिखित कथा इस कथन का एक उत्तम उदाहरण है। एक दिन शेख फरीद को एक व्यक्ति ने चाँदी के कुछ सिक्के भेंट किए। उन्होंने एक शिष्य को आदेश दिया, "वत्स, जाओ, इन सिक्कों को निर्धनों में बाँट आओ।" उसने उन सिक्कों को तत्क्षण बाँट दिया, किन्तु बाँटते समय एक सिक्का भूमि पर गिर गया था, जिसे उस शिष्य ने अपनी पगड़ी में खोंस लिया था। उसने सोचा था कि इस सिक्के को बाद में किसी दरिद्र व्यक्ति को दे दूँगा, किन्तु वह भूल गया।

शेख फरीद एक प्रसिद्ध सूफी संत थे। बचपन में उनकी माँ ने उन्हें शिक्षा दी थी कि चाहे कितनी भी भूख क्यों न लगी हो, किसी से कभी कुछ माँगना मत। उन्होंने इस शिक्षा का आजीवन पालन किया। जिस दिन सिक्के बाँटे गए उस रात शेख नमाज़ पढ़ने गए। किन्तु आज उन्हें एक विचित्र अनुभव हो रहा था, जिसके कारण वह अत्यंत विस्मित तथा क्षुब्ध होने लगे। नमाज़ पढ़ते समय बार-बार उनका मन उचाट हो जाता था। उन्होंने अपने शिष्य को बुलाकर पूछा, "क्या तुमने सारे सिक्के बाँट दिए थे ?" अपराधी मन से क्षमा माँगते हुए शिष्य ने कहा, "एक सिक्का रह गया है।" शेख फरीद ने उस सिक्के को उसी समय किसी निर्धन को दे आने को कहा। जब वह शिष्य सिक्का दे आया तभी वह नमाज़ पूरी कर सके।

(i) कबीरदासजी के अनुसार संग्रह का क्या अर्थ है और वह क्यों नहीं करना चाहिए ? [2]

(ii) शेख फरीद कौन थे ? उनकी माँ ने उन्हें क्या उपदेश दिया था ? [2]

(iii) शेख फरीद ने अपने शिष्य को क्या बाँटने को कहा और क्यों कहा ? [2]

(iv) नमाज़ पढ़ते समय उनको क्या नवीन अनुभव हुआ और उसका क्या परिणाम हुआ ? [2]

(v) वह नमाज़ कब पूरी कर सके ? [2]

www.examrace.com

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए :— [1]

कुल, वर्ष।

(ii) निम्न शब्दों में से किसी **एक** शब्द के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]

आँख, गृह।

(iii) निम्न शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :— [1]

उपकार, कृतज्ञ, सपूत, आशा।

(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]

अगर-मगर करना, दिन फिरना।

(v) भाववाचक संज्ञा बनाइए :— [1]

ईमान, अहं।

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :—

(a) पढ़ने-लिखने में वह बालक इतना तेज़ नहीं था।

(तेज के स्थान पर मंद-बुद्धि का प्रयोग कीजिए) [1]

(b) अब बच्चे घर पहुँचे।

(वचन बदलिए) [1]

(c) कल आप कहाँ गया था ?

(वाक्य शुद्ध कीजिए) [1]

www.examrace.com

SECTION B (40 Marks)

*Attempt **four** questions from this Section.*

*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

गद्य-संकलन

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

किसान युवक के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। बोला—महाराज, आपने आज मुझे उबार लिया, नहीं तो सारी रात यहाँ बैठना पड़ता।

युवक ने हँस कर कहा—अब मुझे कुछ इनाम देते हो ?.....

—परीक्षा—

-प्रेमचंद-

(i) किसान युवक के सामने हाथ जोड़कर क्यों खड़ा हो गया ? 'उबार लिया' का क्या अर्थ है ? [2]

(ii) युवक के इनाम माँगने पर किसान ने क्या कहा ? [2]

(iii) किसान की बात सुनकर युवक के मन में क्या विचार आया ? किसान और युवक का परिचय दीजिए। [3]

(iv) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिली ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

पाठ रुक गया। एक भीषण और हताश आकृति दीप के मंद प्रकाश में सामने खड़ी थी। स्त्री उठी, उसने कपाट बन्द करना चाहा; परन्तु व्यक्ति ने कहा—

"माता ! मुझे आश्रय चाहिए।''

—ममता—

-जयशंकर प्रसाद-

(i) आश्रय माँगने वाले का परिचय दीजिए। [2]

(ii) 'माता' संबोधन किसके लिए किया गया है ? वह कहाँ और किस हाल में थी ? [2]

www.examrace.com

(iii) आश्रय माँगने वाले की स्थिति कैसी थी ? क्या स्त्री ने उसे आश्रय दिया ? [3]

(iv) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने 'माता' के चरित्र की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ? [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

..... आप तो हमारे लिए पूज्य हैं, आदरणीय हैं। आपके लायक हमारे पास कोई काम नहीं है। भगवान ने कहा, आदरणीय हैं तो क्या नालायक हैं। हम काम कर सकते हैं।.....

—श्रम की प्रतिष्ठा—

-विनोबा भावे-

(i) प्रस्तुत पंक्तियों में "पूज्य हैं, आदरणीय हैं"। किसने कहा है ? और किसके लिए कहा है ? [2]

(ii) भगवान ने अपने हाथ में क्या काम लिया ? और क्यों ? [2]

(iii) लेखक ने उपरोक्त पंक्तियों का अपने निबंध में समावेश क्यों किया है ? [3]

(iv) इस पाठ से आपको क्या शिक्षा मिली ? [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"अपने पिता मगध-सम्राट समुद्रगुप्त की बीमारी का समाचार अपने तक न पहुँचने के कारणों पर वे जितना विचार करते, उनका संदेह और चिन्ता उतनी ही अधिक बढ़ती जा रही थी। उन्हें बड़े भाई रामगुप्त और मगध के मंत्रियों के इस व्यवहार पर दुःख और क्रोध के साथ-साथ संदेह भी था और लाख हटाने पर भी वे अपने मन से उन संदेहों और चिन्ताओं को हटा न पा रहे थे।"

(i) 'वे' सर्वनांम किसके लिए आया है ? किसके पिता की बीमारी का समाचार किसने किसे नहीं दिया ? [2]

(ii) यह प्रसंग किस समय का है ? युवराज इस समय कहाँ पर हैं ? [2]

www.examrace.com

(iii) पिताजी की बीमारी का समाचार युवराज को न दिए जाने का वे क्या कारण समझते थे ? उन्हें किस बात की चिन्ता व संदेह था ? [3]

(iv) उन्हें अपने बड़े भाई रामगुप्त और उनके मंत्रियों के कौनसे व्यवहार से दु:ख पहुँचा तथा उनके मन में कौनसी भावनाएँ पैदा हुई ? [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"उसके लिए चन्द्रगुप्त को बुलाने का अर्थ था चन्द्रगुप्त से सहायता की भीख माँगना; अर्थात् चन्द्रगुप्त के आगे झुकना। और वह इसे अपना अपमान समझता था। साथ ही उसे सबसे अधिक भय और चिन्ता ध्रुवस्वामिनी की ओर से थी। विवाह के बाद अभी तक चन्द्रगुप्त और ध्रुवस्वामिनी की भेंट न हुई थी। वह नहीं चाहता था कि वे दोनों कभी मिल पायें।"

(i) कौन चन्द्रगुप्त को बुलाना नहीं चाहता था और बुलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी ? [2]

(ii) महामंत्री तथा अन्य सेनाध्यक्षों के विचार क्या थे ? रामगुप्त ने उनसे सहमत न होते हुए भी मंत्रियों की सलाह क्यों मानी ? [2]

(iii) रामगुप्त को चन्द्रगुप्त से मदद लेने में क्या संकोच था ? [3]

(iv) रामगुप्त चन्द्रगुप्त से ध्रुवस्वामिनी की भेंट क्यों नहीं होने देना चाहता था ? उसे किस बात का भय था और क्यों ? [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"आर्य समुद्रगुप्त के सिंहासन पर बैठकर तुमने अपनी विवाहिता पत्नी को शकों के हाथों सौंप कर कायरता ही नहीं, नीचता का भी सबूत दिया है, और इस कायरता के अलावा ऐसा कौन-सा अन्याय है जो तुमने नहीं किया ? चन्द्रगुप्त का युवराज-पद छीना, मेरे साथ ज़बरदस्ती विवाह किया, अपने और अपने साथियों के सुख और स्वार्थ के लिए राज्य की ओर से सार्वजनिक हित के लिए दी जाने वाली सहायतायें ही बंद नहीं कीं, उनकी सम्पत्ति पर भी अधिकार कर लिया।"

(i) इस कथन का वक्ता कौन है ? वक्ता का परिचय दें। [2]

(ii) वक्ता ने श्रोता पर क्या-क्या दोषारोपण किए ? [2]

(iii) इन कठोर शब्दों की श्रोता पर क्या प्रतिक्रिया हुई ? [3]

(iv) इस स्थिति का क्या परिणाम हुआ ? [3]

www.examrace.com

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"जरूर लताड़ेगा। इतना लताड़ेगा कि उस ताड़ना में प्यार एक तिनका बनकर बह जाएगा। हमें इतना हल्का प्यार नहीं करना चाहिए पापा, जो आँधी में एक तिनके जैसा ही रह जाए। हमें प्यार चाहिए—केवल प्यार, जिसे न ताड़नाएँ मिटा सकें न लांछनायें। आपका प्यार हमें जिन्दगी के शिखर पर पहुँचा सकता है पर आपकी उपेक्षा हमारे व्यक्तित्व को बौना बनाकर रख देगी।''

—भटकन—

लेखक—शैल रस्तोगी

(i) वक्ता कौन है ? वह किस प्रकार के प्यार की अपेक्षा करता है ? [2]

(ii) श्रोता को अपने बच्चों से क्या शिकायत है ? वे बच्चों के लिए क्या करते हैं ? [2]

(iii) वक्ता के लिए वह दिन क्या महत्व रखता है ? उस दिन उसकी क्या अपेक्षा थी ? उस दिन उसे किस सच्चाई का अनुभव हुआ ? [3]

(iv) एकांकी का उद्देश्य लिखिए। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मैं अपनी ओर से कोई कसर न उठा रखूँगा, डॉक्टर साहब ! सुरेन्द्र, देखो तुम मेरे पास रहना। जाना नहीं। यह घर इस बच्चे के लिए वीराना है। ये लोग इसकी जिन्दगी नहीं चाहते। बड़ा रिश्ता पाने के रास्ते में इसे रोड़ा समझते हैं।'' इसकी मौत चाहते हैं।

—लक्ष्मी का स्वागत—

लेखक—उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

(i) वक्ता ने यह कथन किस सन्दर्भ में कहा है ? [2]

(ii) "ये लोग'' किनके लिए प्रयुक्त हुआ है ? वक्ता ने डॉक्टर को उनके विषय में क्या बताया ? [2]

(iii) डॉक्टर ने क्या बीमारी बतायी ? उसका क्या इलाज किया ? उसने वक्ता को क्या सुझाव दिए ? [3]

(iv) सुरेन्द्र कौन है ? उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

www.examrace.com

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"यह बात कैसे नहीं थी ? मैं सबको जानता हूँ। वे मेरे पैसे से आगे बढ़े और मुझी को बरबाद कर दिया। मैं पूछता हूँ, उन्होंने पहले ही गोली चलाने से इनकार क्यों न किया। क्योंकि..... क्योंकि..... ।"

—सीमा-रेखा—

लेखक—विष्णु प्रभाकर

(i) वक्ता कौन है ? उसकी तत्कालीन मनोदशा का वर्णन कीजिए। [2]

(ii) गोली किसने चलायी और क्यों ? [2]

(iii) वक्ता किस वर्ग का व्यक्ति है ? उसने ऐसा क्यों कहा कि उसके ही पैसे से आगे बढ़े और उसे ही बरबाद कर दिया ? [3]

(iv) एकांकी का उद्देश्य लिखिए। [3]

काव्य-चन्द्रिका

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

निंदक नियरे राखिये, आँगन कुटी छवाय।
बिन पानी साबुन बिना, निरमल करे सुभाय।।

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोइ।
अपना तन शीतल करे, औरन को सुख होइ।।

—नीति के दोहे—

कवि—कबीरदास

(i) अपने स्वभाव को शीतल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है ? [2]

(ii) निंदा करने वाले को अपने पास क्यों रखना चाहिए ? [2]

(iii) "मन का आपा खोइ" से कबीरदासजी का क्या तात्पर्य है ? हमारी वाणी पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ? कवि के अनुसार उससे क्या लाभ होता है ? [3]

(iv) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए :— [3]

निंदक, नियरे, निरमल, आपा, शीतल, तन।

www.examrace.com

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपर्वूक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

विचार लो कि मर्त्य हो, न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु-मृत्यु जो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप-आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

—मानवता—

कवि—मैथिलीशरण गुप्त

(i) हमें मृत्यु से क्यों नहीं डरना चाहिए ? समझाइए। [2]

(ii) कवि ने कैसी मृत्यु को सु-मृत्यु कहा है ? [2]

(iii) पशु-प्रवृत्ति से क्या अभिप्राय है ? उपर्युक्त काव्यांश में पशु और मनुष्य में क्या अन्तर बताया है ? [3]

(iv) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए :—

मर्त्य, वृथा, प्रवृत्ति, चरे, मृत्यु, मनुष्य। [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

नीड़ का निर्माण फ़िर-फ़िर।
सृष्टि का आह्वान फ़िर-फ़िर।
वह उठी आँधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि-धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,

www.examrace.com

रात सा दिन हो गया फ़िर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा
इस निशा का फ़िर सवेरा,

—निर्माण—

कवि—हरिवंशराय बच्चन

(i) सृष्टि के आह्वान से क्या अभिप्राय है ? यह आह्वान नए निर्माण के लिए किस तरह प्रेरित करता है ? समझाकर लिखिए। [2]

(ii) 'वह उठी आँधी' और 'रात आई और काली' से कवि का क्या भाव है ? समझाइए। [2]

(iii) कवि के अनुसार एक चिड़िया अपने घोंसले का निर्माण बार-बार क्यों करती है ? इससे मनुष्य को क्या शिक्षा मिलती है ? [3]

(iv) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए :—

नीड़, आह्वान, निशा, सृष्टि, नभ, निर्माण। [3]

www.examrace.com